S-164 Roll No. ……..

MASL–103

भारतीय दर्शन

एम. ए. संस्कृत (एमएएसएल–12 / 16 / 17)

प्रथम वर्ष, सत्र 2018

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. सांख्यकारिका के अनुसार 'सत्कार्यवाद' के सिद्धान्त का विवेचन कीजिए।
2. निम्नलिखित में किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए :

   (क) प्रतिविषयाध्यवसायो दृष्टं त्रिविधमनुमानमाख्यातम्।

   तल्लिङ्गलिङ्गिपूर्वकमाप्तश्रुतिराप्तवचनं तु॥

   (ख) त्रिगुणमविवेकिविषयः सामान्यमचेतनं प्रसवधर्मि।

   व्यक्तं तथा प्रधानं तद्विपरीतस्तथा च पुमान॥

(ग) पुरुषस्य दर्शनार्थं कैवल्यार्थं तथा प्रधानस्य।

पङ्ग्वन्धवदुभयोरपि संयोगस्तत्कृतः सर्गः॥

3. वेदान्तसार के अनुसार 'अनुबन्ध चतुष्ट्य' पर विस्तार से प्रकाश डालिए।
4. तर्कभाषा के अनुसार प्रमेय पदार्थों का विस्तृत विवेचन कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. सांख्यकारिका के अनुसार 'प्रकृति' के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।
2. सांख्यकारिका के अनुसार तीनों अन्तःकरणों (बुद्धि, अहंकार एवं मन) के स्वरूप एवं व्यापार का वर्णन कीजिए।
3. वेदान्तसार के अनुसार 'अधिकारी' के लक्षण स्पष्ट कीजिए।
4. वेदान्तसार के अनुसार 'अज्ञान' के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए उसकी 'आवरण शक्ति' की कार्यप्रक्रिया का वर्णन कीजिए।
5. तर्कभाषा के अनुसार 'परार्थानुमान' को स्पष्ट कीजिए।
6. तर्कभाषा में वर्णित, 'समवायिकारण' एवं 'असमयवायिकारण' पर उदाहरण सहित प्रकाश डालिए।
7. जैनदर्शन में वर्णित 'निर्जरा' एवं 'मोक्ष' की अवधारणा स्पष्ट कीजिए।

8. आत्मा, प्रमाण, मोक्ष, परलोक विषयक विचारों के आधार पर नास्तिक-मतावलम्बियों की विचारधारा में किस प्रकार चार्वाकदर्शन के सिद्धान्तों को ढूँढ़ा जा सकता है ? सिद्ध कीजिए।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. 'द्वैत-वेदान्त' के प्रवर्तक कौन हैं ?

   (क) शङ्कराचार्य
   (ख) रामानुज
   (ग) निम्बार्क
   (घ) मध्वाचार्य

2. सांख्यकारिका के अनुसार मूल प्रकृति का दूसरा नाम है :

   (क) अव्यक्त तत्त्व
   (ख) पुरुष
   (ग) निसर्ग
   (घ) इनमें से कोई नहीं

3. सांख्यकारिका के अनुसार तत्त्वों की कुल संख्या है :

   (क) 23 (तेईस)
   (ख) 24 (चौबीस)
   (ग) 25 (पच्चीस)
   (घ) 30 (तीस)

4. सांख्यकारिका के अनुसार संकल्प-विकल्प करने वाला करण है :

(क) मन

(ख) बुद्धि

(ग) अहंकार

(घ) उपर्युक्त सभी

5. तर्क भाषा में कारण कितने बताए गए हैं ?

(क) एक

(ख) दो

(ग) तीन

(घ) चार

6. तर्कभाषा में वर्णित अनुमान प्रमाण की सिद्धि में 'पक्ष' क्या है ?

(क) पर्वत

(ख) महानस (रसोईघर)

(ग) महाह्रद

(घ) इनमें से कोई नहीं

7. वेदान्तसार के अनुसार अज्ञान की कितनी शक्ति हैं ?

(क) एक (1)

(ख) दो (2)

(ग) तीन (3)

(घ) चार (4)

8. मन और ज्ञानेन्द्रिय के मिलने से क्या बनता है ?

(क) मनोमय कोश

(ख) विज्ञानमय कोश

(ग) प्राणमय कोश

(घ) इनमें से कोई नहीं

9. जैन दर्शन के अनुसार जीव की ओर कर्मपुद्गलों का प्रवाह (सम्बन्ध) कहलाता है :

(क) आस्रव

(ख) संवर

(ग) निर्जरा

(घ) मोक्ष

10. चार्वाक दर्शन के अनुसार 'आत्मा' है :

(क) ब्रह्म

(ख) देह

(ग) मन

(घ) प्राण